2023

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

20 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
भौतिकशास्त्र	0 7 3	हिन्दी

स्टीकर तीर ... से मिलाकर लगायें

[redacted]

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक **A-23 0105567**

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अकों में: 2 3 3 1 4 6 7 5 8

शब्दों में: दो तीन तीन एक चार छः सात पांच आठ

SECONDARY EDUCATION ... मण्डल, म.प्र. भोपाल, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र. भोपाल

उदाहरणार्थ

1	1	2	4	3	9	5	6	8
एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

प्रश्न पत्र का सेट A

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे →

क :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 05

ख :– परीक्षा का दिनांक 31 03 2023

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्ड्री स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

केन्द्र क्र०-312201

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर: गोपालप्रसाद पांडे

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर: Tiwari

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे →

प्रमाणित किया जाता है कि होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा | परीक्षक के हस्ताक्षर ...

AMITA SHARMA
CWa20220395

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टियां करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंक में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल प्राप्तांक ...

②

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 1 का उत्तर

उत्तर 1 उपरोक्त सभी

उत्तर 2 उपरोक्त सभी

उत्तर 3 सीमा रेखा

B
S
E

उत्तर 4 टोपियारी

उत्तर 5 आरोही

प्रश्न क्रमांक 2 का उत्तर

1 बीज

2 नवम्बर - दिसंबर

3 11

4 लघुचित्र

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

5 वार्षिक

प्रश्न क्रमांक 3 का उत्तर

1 सत्य

2 सत्य

3 असत्य

B 4 सत्य

S

E 5 असत्य

प्रश्न क्रमांक 4 का उत्तर

		उत्तर
1	कटे हुए फूलों की पैकिंग	सी. एफ. बी
2	कूल चेन	इष्टतम तापमान के तहत स्टोरेज
3	जूते	रबर
4	वेणी	बालों को सजाए
5	ग्लेडियोलस	6 से 7 दिन का भण्डारण

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 5 का उत्तर

सक्रिय रूप से सुनना एक अच्छी प्रक्रिया है जो लोगो मे अच्छे संबंध बनानेमे मदद करता है। सक्रिय रूप से सुनने के चरण निम्नलिखित है >

1) याद रखना
2) मूल्यांकन
3) प्राप्त करना
4) समझना
5) प्रतिक्रिया

BSE

प्रश्न क्रमांक 6 का उत्तर

सॉफ्टवेयर प्रेजेंटेशन किसी भी कार्य को समझाने के लिए चित्र तथा दृश्यो के माध्यम से प्रोजेक्टर या कम्प्यूटर मे बनाई जाती है। सॉफ्टवेयर प्रेजेंशन किसी वस्तु, उत्पाद, या कार्य को समझाने के लिए अच्छा माध्यम है। इसका उपयोग सरल व सहज है। इस प्रेजेंटेशन प्रेषित अपनी आवश्यकता अनुशार चीजो को प्रदर्शित ।

श्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 7 का उत्तर

सकारात्मक सोच किसी भी व्यक्ति के जीवन बहुत महत्व रखती है। ये दो कारणो से उत्पन्न होती है आंतरिक कारण या बाहरी कारण व यह दो प्रकार की होती आंतरिक प्रेरणा बाहरी प्रेरणा है। इन्हे व्यक्ति के मन उत्पन्न करने के लिए कई कार्य करने चाहिए जैसे पान, प्रतिदिन व्यायाम हमेशा मुस्कुराते रहना ज्ञा का पालन, नई जगहो पर जाना, सबसे सप्रेम करना आदि।

प्रश्न क्रमांक 8 का उत्तर

मानव जीवन व प्रकृति मे संतुलन बनाए रखने के लिए पेड़ो का अत्यधिक महत्व है जोकि निम्नलिखित है।

1) पेड़ो से आक्सीजन प्राप्त होती है।
2) से मानव को खाने के लिए फल, जैव ईंधन मिलते

का बड़ा समूह वर्षा करना कराने मे सहयोग करता है।
पेड़ो का उपयोग औषधि मे किया जाता है।
4)

प्रश्न क्रमांक 9 का उत्तर

कृषि क्षेत्र मे सुरक्षा के लिए कई उपकरण उपयोगी है जो निम्नलिखित है

1) कुदाल
2) हसिया
3) कुल्हाडी
4) तेज चाकू
5) कटर
6) दराती
7) सब्बर

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 10 का उत्तर

एक सफल उद्यमी की विशेषताए निम्नलिखित है ->

1) पहल करना -> एक सफल उद्यमी मे यह सोचने की इच्छा होनी चाहिए कि मैं जो कर रहा हु सही होगा ।
2) आत्मविश्वास -> एक उद्यमी के अंदर आत्मविश्वास होना जरूरी है।
3) जोखिम उठाने की इच्छा -> उद्यमी निडर जोखिमो ख को उठाने वाला हो।
4) बजार की माग का ध्यान रखना -> एक उद्यमी को यह जानकारी होनी ... बाजार मे किस चीज की माग है।
5) समस् ... न करना -> एक उद्यमी किसी भी परिस्थिति मे निरास नही होता व समस्याओ से लड़ता है।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक 11 का उत्तर

गेंदा भारत एकवर्षी पौधे के रूप में उगाया जाता है जो माला, खुले फूल, औषधियो आदि मे उपयोग किया जाता है गेंदा की कटाई की सही अवस्था पूरी तरह से खुली हुई कली है इसकी कटाई मे कोई विशेष क्रिया नही अपनाई जाती है गेंदे को तेज धार वाले चाकू से काटा जाता है व कटाई के पश् ... हेक्टेयर उत्पाद 11-22 टन है। इसकी कट ... बाद फूलो की गर्मी को शांत करने के लिए उन्हे ठण्डे स्थान मे रखा जाते है व डिस्टिल वाटर मे 2-3 घंटे तक डुबो के निकाल लिया जाता है जिससे इसकी सेल्फ लाइफ बढ जाती है।

Laser, Inkjet & Copier Label ST-16 A4   99.1mm x 33.9mm x 16

7

योग पूर्व पृष्ठ   पृष्ठ 7 के अंक   कुल अंक

प्रश्न क्र.

B
S
E

प्रश्न क्रमांक 12 का उत्तर

ग्लैडियोलस की फसल के लिए खेत की तैयारी करते समय सभी खरपतवार के बीजो को खेत से बाहर कर देना चाहिए व बुवाई के बाद खेत मे एक 3-4 cm मोटी मल्च बिछा देनी चाहिए जो कि धीरे-धीरे विघटित होकर कार्बनिक पदार्थ का निर्माण करती है। अंकुरण पश्चात मल्च को हटा देना चाहिए नहीं तो पौधो की बढवार प्रभावित [illegible] ग्लैडियोलस मे रासायनिक नियंत्रण के लिए प्रोपीनिल एडामेथिलिन या पेराक्वेट का इस्तेमाल करना चाहिए। ग्लैडियोलस मे खरपतवार नियंत्रण यांत्रिक रूप से भी किया जाता है।

प्रश्न क्रमांक 13 का उत्तर

गेलार्डिया मुख्यतः उष्णकटिबंधीय जलवायु का पौधो है जो कि 25 - 35°C पर तापमान पर अच्छी वृद्धि करता है इसकी कई किस्मो को उपोष्ण कटिबंधीय जलवायु मे पहाडी क्षेत्रो मे में उगाया जाता है। बैंगलूर की जलवायु मे मार्च व मई के महीने छोड के पूरे वर्ष उगाया जा सकता है। गेलार्डिया एकवर्षीय पौधे के रूप मे उगाया जाता है जो कि बलुई दोमट [illegible] मे अच्छी वृद्धि करता है। इसकी वृद्धि के लिए सूर्य [illegible] की अधिक आवश्यकता है व यह एक सूर्य प्रेमी पौधा है। यह लगभग उचित तापमान मिलने पर अधिक उत्पादन करता है व अधिक फूल उत्पादन करता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 14 का उत्तर

पौधो उचित वृद्धि व विकास के लिए उन्हे पानी की आवश्यकता होती है । व सिंचाई कुछ नियमो के अनुसार की जाती है जो निम्नलिखित है →

1) सिंचाई भूमि के सूखने से पहले पहले की जानी चाहिए ।
2) गर्मी मे सिंचाई 10-15 दिन के अंतराल मे करना चाहिए।
... मे सिंचाई 5-7 दिन के अंतराल मे करनी चाहिए।
... वर्षा होने के बाद नही करनी चाहिए।
... सिंचाई मिट्टी के प्रकार के अनुसार करनी चाहिए ।

प्रश्न क्रमांक 15 का उत्तर

फूलो की कटाई के बाद कई प्रक्रियाए की जाती है →

1) कंडिसनिंग घोल मे रखना → फूलो को काटने के पश्चात उन्हे डिस्टिल या आसुत जल मे रखा जाता है।
2) गर्मी सांत करना → फूलो की कटाई के पश्चात उनकी गर्मी सांत करने के लिए उन्हे कम तापमान पर रखा जाता है ।
3) ग्रेडिंग → यह एक प्रक्रिया है जो अंतर्राष्ट्रीय मानक के अनुसार फूलो को कई श्रेणी मे विभाजित करती है।
4) ...कंग → फूलो को मत्त कागज, कार्ड बोर्ड, बास की टोकरी, बोरे आदि चीजो मे पैक किया जाता है।
5) परिवहन → पैकिंग के पश्चात फूल को ट्रको या रेलमार्ग द्वारा मार्केटिंग के लिए भेजा जाता है।

B
S
E

MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION

ल क्र.

प्रश्न क्रमांक 16 का उत्तर

रजनी गंधा का रोपण → रजनी गंधा का रोपण बल्ब या बल्बलेट द्वारा किया जाता है। इसके रोपण के लिए ~~६~~ ६८ बल्बो की आवश्यकता होती है। रजनी गंधा के फूल सफेद, एकवर्षी होते है। इनके रोपण मे बल्बो को फुराडैन के द्वारा उपचारित किया जाता है इनका रोपण सितम्बर - अक्टूबर मे किया जाता है।

रजनी गंधा की कटाई → रजनी गंधा की कटाई दो उद्देश्यो से की जाती है ① फूलो के उत्पादन के लिए ② कंद के उत्पादन के लिए। रजनी गंधा की कटाई समय फूल पूरी तरह से खुले होने चाहिए व पूर्ण विकसित होने चाहिए फूल सफेद व देखने अत्यधिक सुंदर होते है। रजनी गंधा के 3 वर्षो तक खेत मे रहने के पश्चात कन्दो के उत्पादन के ~~लिलि~~ के लिए भूमि मे हल्की सिंचाई कर कुदाल द्वारा खोदा जाता है। व कन्दो को पानी या हाथो से साफ किया जाता है व एक कमरे मे जहा वायुसंचार अच्छा हो बिछा देना चाहिए। तापमान ~~8~~ ४८°C तक रखना चाहिए। इन कन्दो का उपयोग दूसरे वर्ष रोपण मे किया जाता है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 17 का उत्तर

ग्लेडियोलस मे स्टेकिंग → ग्लेडियोलस मे स्टेकिंग का बहुत महत्व है यह पौधो का गिरने से बचाने के लिए फलो के निचे से की जाती है। स्टेकिंग मे बास की लकडी या तारो का उपयोग किया जाता है बास के द्वारा स्टेकिंग मे बास को ग्लेडियोलस के पौधे के पास लगाकर पौधे को सहारा दिया जाता है व तारो द्वारा पौधे के तने के आस पास तारो का जाल बनाया जाता है।

ग्लेडियोलस की कटाई → ग्लेडियोलस की कटाई भारत मे मुख्यत: हाथो से की जाती है परंतु अन्य देशो मे इसे शवसन कटर द्वारा काटा जाता है। इसकी कट उत्पाद 250-500 फूल प्रति वर्ग मीटर होती है। के कटाई की उचित अवस्था पूरी तरह से खुला हुआ फूल होती है। कटाई पश्चात इनकी गर्मी को सांत करने के लिए कोल्डस्टोरेज मे रखा जाता है जिससे इनकी सेल्फ लाइफ बढ जाती है। व इनमे ग्रेडिंग, प्री कूलिंग आदि क्रियाए भी की जाती तत्पश्चात बाजारो मे मार्केटिंग के लिए भेजा जाता है

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 18 का उत्तर

चमेली का महत्व → चमेली भारत मे उगाए जाने वाले फूलो मे महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इसका उपयोग मुख्यत: गजरा बनाने मे, सुगंधित इत्र बनाने मे सोभा कारी रूप मे किया जाता है। चमेली की 4 प्रजातिया भारत मे उगाई जाती है ① जैस्मीनम सार्बेक ② जैस्मीनम ओरिकुलेटम ③ जैस्मीनम ग्रैन्डीफ्लोरम आदि। जैस्मीनम ग्रेंडीफ्लोरम का अंतर्राष्ट्रीय बाजार है जिससे 0.29% कंक्रीट की प्राप्ति होती है।

चमेली का प्रवर्धन → चमेली का प्रवर्धन कटिंग व लेयरिंग द्वारा किया जाता है। इसके प्रवर्धन के लिए अच्छे जलनिकास वाली बलुई दोमट मिट्टी उपयुक्त रहती है। कटिंग द्वारा प्रवर्धन से पौधे स्वस्थ तथा मजबूत होते है। इसके उचित विकास के 25 - 35 C तापमान उचित रहता है व अच्छी वृद्धि होती है। प्रवर्धन के पहले खेत मे 10-15 टन गोबर की खाद व NPK उचित मात्रा मे डालनी चाहिए व नाइट्रोजन को दो खुराको मे देनी चाहिए। प्रवर्धन के पश्चात सिंचाई नियत अंतराल मे करनी चाहिए।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 19 का उत्तर

बहुवर्षीय पौधे → ऐसे पौधे जिनका जीवन काल कई वर्षों तक का होता है बहुवर्षीय पौधे कहलाते है। इनमे प्रत्येक मौसम को सहने अदभुत क्षमता होती व ये कई वर्षों तक उत्पादक बने रहते है।

बहुवर्षी पौधो के उपयोग →

1) इनका उपयोग उद्यान मे बडे वृक्षो के रूप मे किया जाता है जिससे उद्यान की शोभा बढती है।

2) कई बहुवर्षीय पौधो का उपयोग फूलो के उत्पादन मे किया जाता है। जैसे → अमलतास बोगेनविलिया कचनार आदि

3) रास्तो पर पौधो को आकर्षक ढंग से लगाके सुंदरता मे वृद्धि की जाती है।

4. कई बहुवर्षीय वृक्ष वृक्ष की पत्तिया आकर्षक होती इनका उपयोग डेकोरेशन मे किया जाता है।

5) बहुवर्षीय पौधो का उपयोग औषधियो के निर्माण मे भी किया जाता है।

6) कई बहुवर्षीय झाडियो का उपयोग हेज के निर्माण मे किया जाता है।

7) इनका उपयोग ईंधन के रूप मे भी किया जाता है।

BSE

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक २० का उत्तर

हार्वेस्टिंग के दौरान की जाने वाली सुरक्षा निम्नलिखित है →

स्वास्थ बिंदु →

1) (i) इंजन से चलने वाली एसी मशीन का उपयोग नही करना चाहिए जिसमे ईंधन भरना पड़े, अन्यथा इंजनसे निकले धुआँ से स्वास्थ व पर्यावरण दोनो पर प्रभाव होगा।

(ii) मशीन के आस पास के फीडिंग क्षेत्र मे किसी को भी नही जाने देना चाहिए।

B
S
E

2) सुरक्षा बिंदु →

1) मशीन के बंद होने के पश्चात ही मशीन मे ग्रीस, तेल आदि समायोजित करना चाहिए।

2) चालू मशीन मे किसीको चढने की नही देना चाहिए।

3) मशीन के मे शरीर के अंग को फसने से बचाने के लिए, हाथ की आस्तीनो को अच्छी तरह से मोड के रखना चाहिए, बालो को उलझने से बचाने के लिए मजबूती से बांधे रहना चाहिए।

मशीन के साथ काम करते समय ज्वलशील पदार्थ का उपयोग नही करना चाहिए। आग लगने का डर रहता है।

5) - विद्युत से चलनेवाली मशीन के मे ईंधन नही भरना चाहिए।